Kiara Let's Make Life Happy

Kiara Astrology Research Centre ®

(Prime Report)

ॐ गंग गणपतये नमः

Call: 08674827268

Kiara ID: 800 11459 Date: 02/05/2020 Validity : 1 Month Only

नाम: Smita S	जन्म तिथि: 16/11/1992	जन्म समय: 9:15 AM
जन्म स्थान: Jalgaon (MH)	मांगलिक योग: NO (Cancelled)	इष्ट देव: Hanuman Ji
लग्न: Dhanu Lagna	राशि: Kark	नक्षत्र: पुष्य - 3

1. योग कारक (अच्छा) / मारक (शत्रु) ग्रह: (ग्रहों की स्थित के अनुसार) : (मांगलिक नहीं हैं आप)

इन सभी ग्रहों के रत्न धारण करना, पूजा पाठ करना उत्तम होगा, लेकिन इन ग्रहों से सम्बंधित वस्तुयें का दान नहीं किया जाता है।

S.No	योग कारक (अच्छा) ग्रह	शुभ फल देने की क्षमता	मारक (शत्रु) ग्रह	अशुभ फल देने की क्षमता
1.	Guru	70%	Shukra	50%
2.	Budh (अस्त) (d)	30%	Shani	100%
3.	Mangal	25%	Chandra	50%
4.			Mangal (नीच)	25%
5.	(नीच भंग (जायेगा))		Rahu (d)	35%
6.			Ketu (d)	35%
			Surya	(Nill)

इन सभी ग्रहों को पूजा पाठ एवं दान करके शांत करना है। इनके रत्न वर्जित हैं।

2. राजयोग (अच्छा योग): ~~नीच भंग राजयोग (मंगल की नीचता भंग होने के कारण मंगल शुभ फल देंगे)~~. ~~मंगल का दान ना करें। सिर्फ हनुमान जी का पाठ-~~ पूजन कर सकते हैं।

3. कुण्डली दोष: चन्द्र ग्रहण योग, सूर्य ग्रहण, चाण्डाल दोष

4. शुभ दिन: Wednesday, Thursday. अशुभ: - (Saturday, Monday, Friday.)

5. शुभ रंग: हरा, पीला, लाल अशुभ: (काला, नीला)

6. रत्न (Gemstones) धारण कर सकते हैं (Life Time):

Gemstones (रत्न)	Ratti	Hand	Finger	Details
1. पुखराज (Yellow)	5.25+	Left	Index	सोने, पीतल में बृहस्पतिवार को 8:15AM पर शुक्ल पक्ष में धारण करें।
2. पन्ना (Emerald)	5.25+	Right	Little	चाँदी में बुधवार को 8:15 AM पर धारण करें।
3.				

Celebrity & Family Astrologer: Somvir Singh (B.Tech HBTU Kanpur, M.Tech IIT Roorkee), Published Book – Jyotish Disha, Expertise in Kundali Analysis, Gemstones Analysis, Health Analysis, Match Making, Marak/Karak Grah Analysis. **Office Address (Head Office):** Kiara Astrology Research Centre ®, Shri Jagdish Complex, Hatia Chowk, Ranchi– 834003 (JH). Phone: +91-8789981729. 8674827268. Web: www.KiaraAstrology.in

Scanned with CamScanner

7. **वर्जित रत्न (भूल कर भी धारण ना करें):**

ओपल, हीरा, नीलम, नीली, जरकन, फिरोजा, मोती, माणिक, मूंगा, गोमेद, लहसुनिया आदि

नोट : रत्न पहनने का अर्थ यह है की जिस ग्रह का रत्न धारण किया जाता है उस ग्रह की किरणों का शरीर में बढ़ाना। रत्न हमेशा योग कारक और सम ग्रह का पहना जाता है जब वो अच्छे फल देने में सक्षम न हो।

a) चंद्रदेव (मोती), मंगलदेव (मूंगा) और बृहस्पति देव (पीला पुखराज) का रत्न सदा शुक्ल पक्ष में धारण करना चाहिए। तभी यह लाभ प्रद होता है। (समय 8:15 AM)

b) सूर्य देव (माणिक), बुध देव (पन्ना), शुक्र देव (आपल, हीरा, सफ़ेद पुखराज), शनि देव (नीलम) का रत्न किसी भी पक्ष में धारण कर सकते हैं। (समय 8:15 AM)

c) सही गड़ना के मुताबिक **पांच कैरट या एक ग्राम से कम** वजन का रत्न नहीं धारण करना चाहिए।

d) **पुरुषों** को सदैव दाएं हाथ में रत्न पहना है। **स्त्रियों** को सदैव बाएं हाथ में रत्न पहनना चाहिए। अगर किसी जातक को नाग धारण हो जैसे (माणिक, मूंगा), (नीलम, हीरा) तोह लग्न का रत्न उस जातक को पहले सही हाथ में धारण करवाया जाता है। दूसरा रत्न दूसरे हाथ में पहनाया जाता है।

8. **रोग भाव का स्वामी: (मित्र/शत्रु)** (शुक्रदेव): शुक्रदेव का दान सदैव रोग कम करने में मदद करेगा। Career growth/Job के लिए अच्छा रहेगा। राहु तथा केतु Job में परेशानी देंगे, health problems, depression आदि।

9. **रोग – विश्लेषण:** (रोगों के कारक ग्रह)

आधुनिक समय के भाग - दौड़ एवं वयस्तता भरे जीवन मे प्रत्येक मनुष्य अपनी आकांछाओं और धन - प्राप्ति के पीछे ऐसा वयस्त है कि वह पूर्णतः अपने खान - पान, रहन-सहन और जीवन शैली पर सही ध्यान नहीं दे पता। इसलिए हर मनुष्य अपने स्वास्थ्य - सम्बन्धी छोटी-छोटी परेशनियों से भी साथ - साथ संघर्ष करता रहता है। Kiara Astrology के माध्यम से हम यह प्रयास करने की कोशिश कर रहे है कि आप ज्योतिष-विद्या के माध्यम से साधारण उपायों द्वारा अपने रोग - सम्बन्धी समस्यायो को कम कर पायँ एवं स्वयं के जीवन को जीने लायक बना सकें।

जन्म कुंडली मे छठा (6th) भाव रोग भाव होता है और छठे भाव का स्वामी रोगेष कहलाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रत्येक लग्न कुंडली मे रोग -भाव तथा रोगेष का विश्लेषण करने का तरीका बदल जाता है।

सूर्य देव : हड्डिओं के रोग , ह्रदय रोग , आँखों सम्बन्धी रोग।

चन्द्रमा देव : मानसिक रोग, आँखों के रोग, शरीर व पेट के जल सम्बन्धी रोग, निमोनिया , फेफड़ो के रोग

मंगल देव : खून से सम्बंधित रोग, ब्लड प्रेसर, शुगर, थायरॉइड, कॉलिस्ट्रोल, शारीरिक शक्ति, माँसपेशिओ के रोग

बुध देव : त्वचा से सम्बंधित रोग, यादाश्त सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, दिमाग सम्बन्धी रोग, तुतलाना, हकलाना, व कंठ के रोग।

Scanned with CamScanner

बृहस्पति देव	:	लीवर, चर्बी, किडनी, मोटापा सम्बन्धी रोग।
शुक्र देव	:	गुप्तांग सम्बन्धी रोग, नपुंसकता।
शनि देव	:	शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द, लम्बी बीमारी।
राहु देव	:	सभी तरह की संक्रामकता, कुष्ठ रोग, अपगता, पागलपन, वहम।
केतु देव	:	रीढ़ की हड्डी, हड्डिओं के बीच में तरलता, कैंसर, बबासीर, फोड़े- फुन्सी, दाँत सम्बन्धी रोग।

10. रोग कम करने के लिए दान : राहु, केतु, शुक्र देव के दान करने से Health Problems नहीं बढ़ेंगे।

Comments:

Agressive Nature, Simple, दयालु आदि। Sometimes जिद्दी व गुस्सैल Nature होगा।

मन के मौजी हैं आप। जोह काम अच्छा लगा उसे करते हैं जोह खराब लगा उस काम को बीच में ही छोड़ देते हैं। आप पर कुछ भी जबरदस्ती से थोप नहीं सकते हैं। न तो एक जगह टिकते हैं ना ही एक decision पर रहते हैं। यदि आपको कुछ और पसन्द आ गया तोह आप अपना decision तक बदल सकते हैं।
(Sweet & Humble Nature), Caring Nature.

कठिन परिस्थितियों में भी अपने आप ढाल लेते हो। (Adjustable Person हैं आप). Decision लेने में परेशानी होती है।

Job में समस्या तथा Negative thoughts जल्दी आते हैं।

Depression & Negative thoughts raised by family issues. Depression में हैं, मानसिक तनाव काफी है, obstacles in each work, unnecessary Hard work, फिजूल की मेहनत, Seniors, हर काम में कम लाभ मिलेगा। फिजूल का work मिलेगा।

Scanned with CamScanner

11. महादशा/अन्तर्दशा/प्रत्यंतर दशा परिणाम :

केतु की महादशा : 14/04/2015 to 14/04/2022 : खराब दशा (30%)

↳ Career related issues, Anxiety, छोटी मोटी health खराब होगा, लाभ/व्यापार में समस्या, खर्चा काफी होगा, Bank में पैसे कम रुकेंगे।

↳ केतु के उपाय करना है। आगे report से देखकर केतु के दान करना है। कुत्तों को कुछ भी खाने को देना है। (रोजाना)।

↳ नींबू, आँवला का दान अमावस्या को अवश्य करें।

↳ शाम को सूर्यास्त के बाद केतु मंत्र का जाप अवश्य करें तथा केतु देव से सुरक्षा अवश्य माँगें। मंत्र आगे report में mention है।

केतु/शनि :- 09/02/2020 to 16/04/2021 : ज्यादा खराब (100%)

Depression में रहेंगे। मानसिक अशान्ति काफी रहेगी। love life भी disturb हो सकती है। मन की इच्छाएं पूर्ण नहीं होंगी। धन लाभ रुकने का योग बना हुआ है। Job भी जा सकती है → (30%) chances.

↳ शनि का दान व पाठ पूजन अवश्य करें।

↳ सूर्यास्त के बाद शनि मंत्र का जाप अवश्य करें 5-10 mins East की तरफ face करके। पारिवारिक समस्या शान्त होंगी।

↳ शनि के दान पीछे report से follow करें जो भी कर सकते हैं। उसे जरूर करें।

↳ सरसों के तेल का दान अच्छा रहेगा।

↳ पन्ना धारण करने से Job से related समस्या शान्त होगी। और Married life के लिए अच्छा रहेगा।

↳ मंगल नीचभंगराजयोग में होने के कारण ज्यादा समस्या नहीं देंगे। हनुमानजी का पाठ

Scanned with CamScanner

कुंडली में स्थित मारक (शत्रु) ग्रह के उपाय & दान :

ग्रह	उपाय & दान
सूर्य देव के उपाय: **(रविवार को करना है)**	सूर्य देव को जल देना, तांबे का सिक्का जल प्रवाह करना, शक्कर चीटियों को डालना, ब्रह्म देव की उपासना करना, माणिक जल प्रवाह करना। **नोट:- पिता या पिता तुल्य व्यक्तियों से मधुर संबंध रखना।** **सूर्य देव के मंत्र का जाप करें। (ऊँ सूर्याय नमः)**
चंद्र देव के उपाय: **(सोमवार को करना है)**	दूध दान करना, चावल दान करना, मिश्री दान करना, चीनी दान करना या चींटियों को डालना, श्वेत वस्तु (वस्त्र, फूल) दान करना, मोती दान या जल प्रवाह करना। **नोट:- माता या माता तुल्य स्त्रियों से मधुर संबंध रखना, उनसे आशीर्वाद लेना, उनकी सेवा करने से चंद्र देव प्रसन्न होते हैं।** सोमवार को दूध या जल शिवलिंग पर चढ़ायें और शिव जी पूजा करें। चंद्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ सों सोमाय नमः)**
मंगल देव के उपाय: **(मंगलवार को करना है)**	मंगल देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ भुं भौमाय नमः अथवा ऊँ अं अंगारकाय नमः)** **(संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो।** **कौन सो संकट मोर गरीब को ,जो तुमसे नहिं जात है तारो ॥)**
शुक्र देव के उपाय: **(शुक्रवार को करना है)**	चीनी दान करना, चावल दान करना, आटा दान करना, सफ़ेद मिठाई (रसगुल्ला, छेना मुर्की, बर्फी) दान करना, इत्र दान करना, जरकन (ओपल) दान करना, सौंदर्य प्रधान वस्तुओं का दान करना, मिश्री दान करना। **नोट:- पत्नी, प्रेमिका के साथ मधुर संबंध रखना, स्त्रियों का आदर करना।** हर शुक्रवार को कच्चे दूध (1/2 cup) से स्नान करें और शुक्र देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः ॥ (or) ऊँ शुं शुक्राय नमः)**
शनि देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	काले तिल दान करना/ चीटियों को डालना, सरसों के तेल का दाल करना, काली जुरावें दान करना, पीपल के वृक्ष को जल देना, पीपल के वृक्ष के नीचे सरसों का दीपक जलाना, काला वस्त्र का दान करना, लोहे की वस्तुओं का दान करना (चिंता, तवा), नीली जल प्रवाह करना, शनि चालीसा का दान करना, कोयला दान करना/ जल प्रवाह करना, जूता, चप्पल दान करना। **नोट:- निम्न स्तर का कर्मचारी (मजदूर, नौकर, कामवाली, भिखारी) के साथ सही व्यवहार रखने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं।** शनिवार को शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes शनि देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ शं शनैश्चराय नमः)**

राहु देव के उपाय: **(शनिवार को करना है)**	चाय की पत्ती, अगरबत्ती दान करना, सिक्का दान करना, बिजली की तार जल प्रवाह करना, गोमेद जल प्रवाह करना, सतनाजा चीटियों को डालना, काला सफ़ेद कम्बल दान करना, विकलांगो की सहायता करना, कुस्थश्रम में दान करना, नेत्रहीनों की सेवा करना। शनिवार को चाय की पत्ती (100gm), १ अगरबत्ती का पैकेट शनि देव के मंदिर के बाहर गरीबों को दान करें और देते समय राहु मंत्र "ऊँ रां राहवे नमः" का जप करें। **नोट:- किसी भी प्रकार से शारीरिक असमर्थ लोगों का ख्याल रखने से राहु देव प्रसन्न होते हैं।** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes राहु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊँ रां राहवे नम:)**
केतु देव के उपाय: **(मंगल, बुधवार को करना है)**	काला सफ़ेद कपड़ा दान करना, निम्बू दान करना, अमचूर दान करना, आंवले का अचार दान करना, चाकू दान करना, कुत्ते की सेवा करना, कुत्ते को कपड़ा पहनना। **नोट:- नानका परिवार से मधुर संबंध रखने से केतुदेव प्रसन्न होते हैं.** रोजाना शाम को 7 बजे के बाद (या) सोते समय 5-10 minutes केतु देव के मंत्र का जाप करें। **(ऊं कें केतवे नम:)**

नोट: अमावश्या के दिन किसी भी समय (दिन/रात) चाय की पत्ती, अगरबत्ती का दान (राहु के लिए) तथा सरसों का तेल (शनि देव के लिए) का दान अवश्य करें।

नोट: यदि परिवार में कलह - कलेश हो रहा हो और स्थित बिगड़ने वाली हो तो उस वक्त कोई भी परिवार का सदस्य मन ही मन २० मिनट तक नीचे दिए गये मंत्र का जाप अवश्य करें। संकटमोचन हनुमान जी आपकी अवश्य मदद करेंगे और स्थित सामान्य होने लगेगी। (हनुमान जी का पाठ पूजन महिलाएं भी कर सकती हैं। क्यूंकि हनुमान जी ने अपनी छाती चीर कर दिखा दी थी कि उनके हृदय में प्रभु राम और सीता माता दोनों एक साथ रहते हैं6।)

मंत्र : संकटमोचन नाम तिहारो, संकटमोचन नाम तिहारो। कौन सो संकट मोर गरीब को, जो तुमसे नहिं जात है टारो॥

ऊँ गं गणपतये नम

शुभ 卐 लाभ

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011459 Date: 02/05/2020

Smita S

16 Nov 1992 09:15 AM

Jalgaon

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

Smita S

Model: ~Teva

SrNo: 110-119-101-1101 / 80011459

Date: 02/05/2020

लिंग	: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	: **16/11/1992**
दिन	: सोमवार
जन्म समय	: **09:15:00 ांटे**
इष्ट	: 06:30:48 घटी
स्थान	: **Jalgaon**
राज्य	: Maharashtra
देश	: India

अक्षांश	: 21:01:00 उत्तर
रेखांश	: 75:39:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:27:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 08:47:36 घंटे
वेलान्तर	: 00:15:13 घंटे
साम्पातिक काल	: 12:29:28 घंटे
सूर्योदय	: 06:38:40 घंटे
सूर्यास्त	: 17:45:46 घंटे
दिनमान	: 11:07:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: हेमन्त
सूर्य के अंश	: 00:16:47 वृश्चिक
लग्न के अंश	: 04:12:37 धनु

चैत्रादि संवत / शक	: 2049 / 1914
मास	: मार्गशीर्ष
पक्ष	: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि	: 6
तिथि समाप्ति काल	: 08:09:26
जन्म तिथि	: 7
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	: पुष्य
नक्षत्र समाप्ति काल	: 15:43:50 घंटे
जन्म नक्षत्र	: पुष्य
सूर्योदय कालीन योग	: शुक्ल
योग समाप्ति काल	: 20:09:24 घंटे
जन्म योग	: शुक्ल
सूर्योदय कालीन करण	: वणिज
करण समाप्ति काल	: 08:09:26 घंटे
जन्म करण	: विष्टि
भयात	: 40:54:01
भभोग	: 57:06:09
भोग्य दशा काल	: शनि 5 वर्ष 4 मा 26 दि

अवकहड ा चक्र	
लग्न–लग्नाधिपति	: धनु – गुरु
राशि–स्वामी	: **कर्क – चन्द्र**
नक्षत्र–चरण	: **पुष्य – 3**
नक्षत्र स्वामी	: शनि
योग	: शुक्ल
करण	: विष्टि
गण	: देव
योनि	: मेष
नाड़ी	: मध्य
वर्ण	: विप्र
वश्य	: जलचर
वर्ग	: मेष
युँजा	: मध्य
हंसक	: जल
जन्म नामाक्षर	: हो–होमवती
पाया(राशि–नक्षत्र)	: लौह – रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक

ाात चक्र	
मास	: पौष
तिथि	: 2-7-12
दिन	: बुधवार
नक्षत्र	: अनुराधा
योग	: व्याघात
करण	: नाग
प्रहर	: 1
वर्ग	: श्वान
लग्न	: तुला
सूर्य	: सिंह
चन्द्र	: मीन
मंगल	: कन्या
बुध	: मिथुन
गुरु	: तुला
शुक्र	: वृश्चिक
शनि	: कर्क
राहु	: धनु

Smita S

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	04:12:37	329:17:29	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	———
सूर्य			वृश्चिक	00:16:47	01:00:28	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	12:52:22	14:02:05	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	मंगल	स्वराशि
मंगल			कर्क	02:47:35	00:09:41	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध	व	अ	वृश्चिक	12:47:31	00:47:10	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	सम राशि
गुरु			कन्या	13:28:04	00:10:42	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	09:23:20	01:12:01	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
शनि			मक	18:52:04	00:03:04	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु			वृश्चिक	27:59:36	00:01:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			वृष	27:59:36	00:01:32	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			धनु	21:29:17	00:02:32	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	———
नेप			धनु	23:04:45	00:01:32	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	———
प्लूटो			तुला	29:09:09	00:02:25	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	———
दशम भाव			कन्या	14:15:57	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व – वक्री स – स्थिर

अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त

राहु स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:43

लग्न–चलित

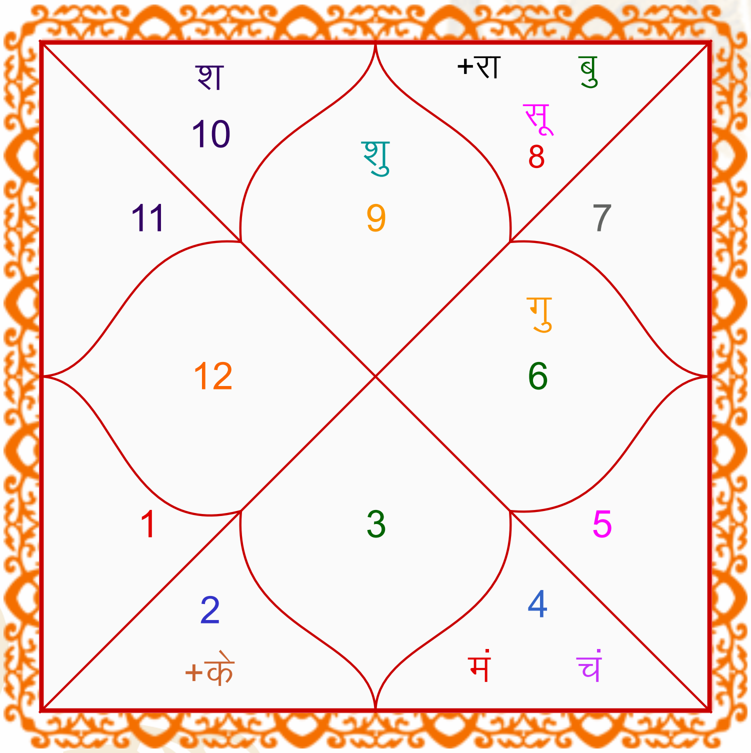

चन्द्र कुंडली

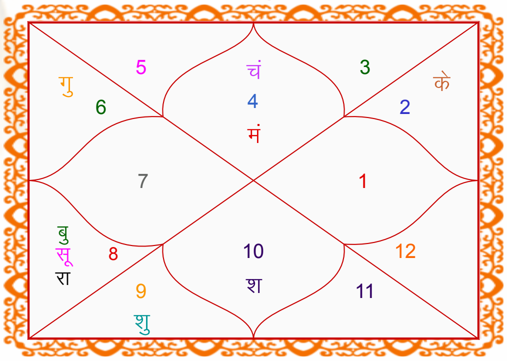

नवमांश कुंडली

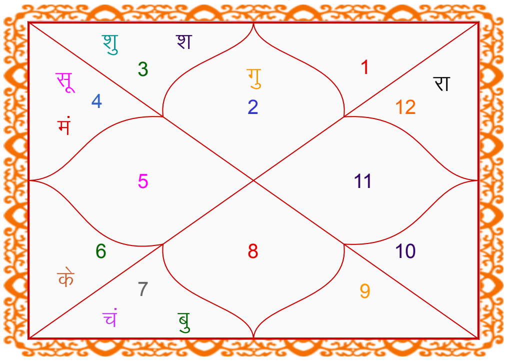

Kiara Astrology Research Centre ®
Somvir Singh (Celebrity & Family Astrologer)
Shop - 39, First Floor, Shree Jagdish Complex, Near Chandani Chowk, Hatia, Ranchi - 834004
+91-8674827268, +91-8789981729
Website: www.KiaraAstrology.in, Email: KiaraAstrology@gmail.com

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	7	37	8	41	37	24	30
सप्तवर्गज बल	53	101	45	64	83	120	96
ओजयुग्मक बल	0	15	0	15	0	0	15
केन्द्र बल	15	30	30	15	60	60	30
द्रेष्काण बल	15	0	15	15	0	0	15
कुल स्थान बल	89	183	98	149	180	204	186
कुल दिग्बल	45	20	36	53	33	28	15
नतोन्नत बल	45	15	15	60	45	45	15
पक्ष बल	24	72	24	24	36	36	24
त्रिभाग बल	0	0	0	60	60	0	0
अब्द बल	15	0	0	0	0	0	0
मास बल	0	30	0	0	0	0	0
वार बल	0	45	0	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	60	0	0
अयन बल	11	6	57	58	26	0	52
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	96	167	96	202	227	81	91
कुल चेष्टाबल	0	0	48	59	17	27	27
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-14	-15	-9	-6	-7	7	2
कुल षट्बल	276	408	286	482	484	390	330
रूप षट्बल	4.6	6.8	4.8	8.0	8.1	6.5	5.5
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	0.9	1.1	1.0	1.1	1.2	1.2	1.1
संबंधित पद	7	4	6	3	1	2	5

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	9.00	36.25	19.98	48.83	25.48	25.45	28.58
कष्ट फल	50.56	23.74	25.38	5.32	31.16	34.48	31.32

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	484	330	330	484	286	390	482	408	276	482	390	286
भावदिग्बल	60	20	40	60	10	20	0	20	50	30	40	10
भावदृष्टि बल	37	38	67	93	31	61	97	31	8	-7	-8	1
कुल भाव बल	581	388	437	637	326	471	579	459	333	505	422	297
रूप भाव बल	9.7	6.5	7.3	10.6	5.4	7.8	9.7	7.6	5.6	8.4	7.0	4.9
संबंधित पद	2	9	7	1	11	5	3	6	10	4	8	12

Smita S

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

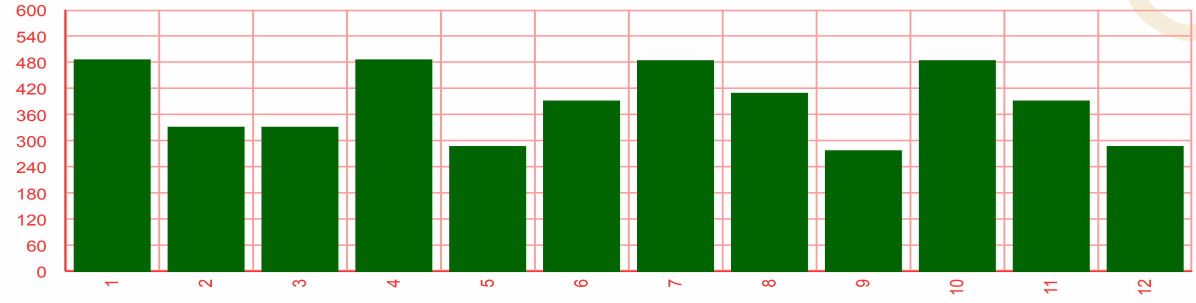

भावदिग्बल

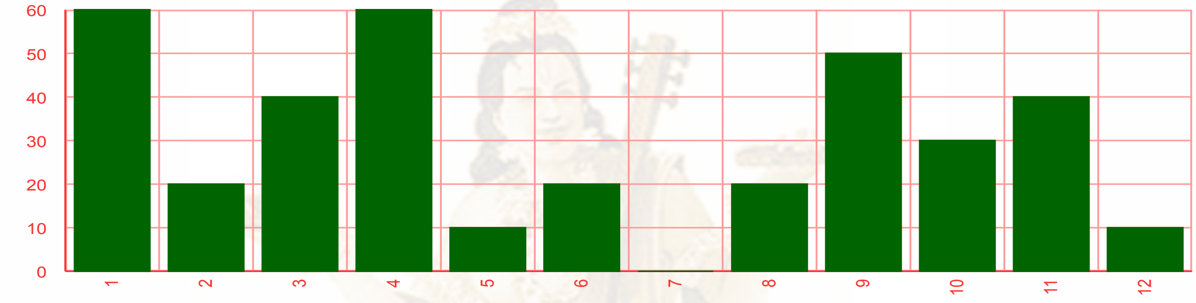

भावदृष्टि बल

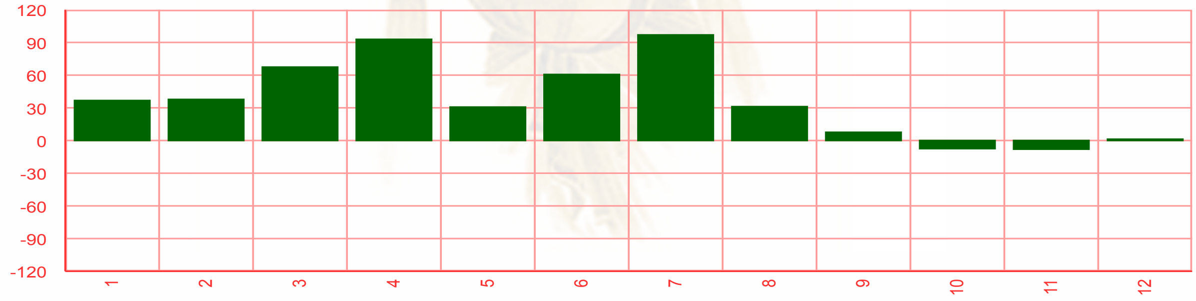

भाव बल

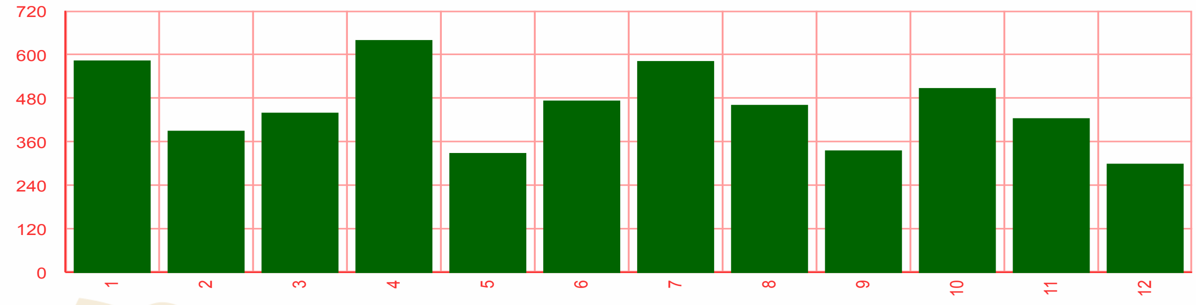

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 5 वर्ष 4 मास 26 दिन

शनि 19 वर्ष	
16/11/1992	
14/04/1998	
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	00/00/0000
	16/11/1992
मंगल	24/11/1992
राहु	01/10/1995
गुरु	14/04/1998

बुध 17 वर्ष	
14/04/1998	
14/04/2015	
बुध	09/09/2000
केतु	06/09/2001
शुक्र	07/07/2004
सूर्य	14/05/2005
चंद्र	13/10/2006
मंगल	10/10/2007
राहु	29/04/2010
गुरु	04/08/2012
शनि	14/04/2015

केतु 7 वर्ष	
14/04/2015	
14/04/2022	
केतु	10/09/2015
शुक्र	09/11/2016
सूर्य	17/03/2017
चंद्र	16/10/2017
मंगल	14/03/2018
राहु	02/04/2019
गुरु	08/03/2020
शनि	16/04/2021
बुध	14/04/2022

शुक्र 20 वर्ष	
14/04/2022	
14/04/2042	
शुक्र	13/08/2025
सूर्य	13/08/2026
चंद्र	13/04/2028
मंगल	13/06/2029
राहु	13/06/2032
गुरु	12/02/2035
शनि	14/04/2038
बुध	11/02/2041
केतु	14/04/2042

सूर्य 6 वर्ष	
14/04/2042	
13/04/2048	
सूर्य	01/08/2042
चंद्र	31/01/2043
मंगल	08/06/2043
राहु	01/05/2044
गुरु	18/02/2045
शनि	31/01/2046
बुध	07/12/2046
केतु	14/04/2047
शुक्र	13/04/2048

चंद्र 10 वर्ष	
13/04/2048	
14/04/2058	
चंद्र	11/02/2049
मंगल	13/09/2049
राहु	14/03/2051
गुरु	13/07/2052
शनि	12/02/2054
बुध	14/07/2055
केतु	12/02/2056
शुक्र	13/10/2057
सूर्य	14/04/2058

मंगल 7 वर्ष	
14/04/2058	
13/04/2065	
मंगल	10/09/2058
राहु	28/09/2059
गुरु	03/09/2060
शनि	13/10/2061
बुध	10/10/2062
केतु	08/03/2063
शुक्र	07/05/2064
सूर्य	12/09/2064
चंद्र	13/04/2065

राहु 18 वर्ष	
13/04/2065	
14/04/2083	
राहु	26/12/2067
गुरु	20/05/2070
शनि	26/03/2073
बुध	13/10/2075
केतु	31/10/2076
शुक्र	01/11/2079
सूर्य	24/09/2080
चंद्र	26/03/2082
मंगल	14/04/2083

गुरु 16 वर्ष	
14/04/2083	
14/04/2099	
गुरु	01/06/2085
शनि	13/12/2087
बुध	20/03/2090
केतु	24/02/2091
शुक्र	25/10/2093
सूर्य	13/08/2094
चंद्र	13/12/2095
मंगल	18/11/2096
राहु	14/04/2099

शनि 19 वर्ष	
14/04/2099	
00/00/0000	
शनि	18/04/2102
बुध	26/12/2104
केतु	04/02/2106
शुक्र	05/04/2109
सूर्य	18/03/2110
चंद्र	17/10/2111
मंगल	17/11/2112
	00/00/0000
	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 5 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - शनि	
08/03/2020	16/04/2021
शनि	11/05/2020
बुध	07/07/2020
केतु	31/07/2020
शुक्र	06/10/2020
सूर्य	26/10/2020
चंद्र	29/11/2020
मंगल	23/12/2020
राहु	21/02/2021
गुरु	16/04/2021

केतु - बुध	
16/04/2021	14/04/2022
बुध	07/06/2021
केतु	28/06/2021
शुक्र	27/08/2021
सूर्य	14/09/2021
चंद्र	14/10/2021
मंगल	05/11/2021
राहु	29/12/2021
गुरु	15/02/2022
शनि	14/04/2022

शुक्र - शुक्र	
14/04/2022	13/08/2025
शुक्र	02/11/2022
सूर्य	02/01/2023
चंद्र	14/04/2023
मंगल	24/06/2023
राहु	23/12/2023
गुरु	03/06/2024
शनि	13/12/2024
बुध	03/06/2025
केतु	13/08/2025

शुक्र - सूर्य	
13/08/2025	13/08/2026
सूर्य	31/08/2025
चंद्र	01/10/2025
मंगल	22/10/2025
राहु	16/12/2025
गुरु	03/02/2026
शनि	01/04/2026
बुध	23/05/2026
केतु	13/06/2026
शुक्र	13/08/2026

शुक्र - चंद्र	
13/08/2026	13/04/2028
चंद्र	03/10/2026
मंगल	08/11/2026
राहु	07/02/2027
गुरु	29/04/2027
शनि	03/08/2027
बुध	29/10/2027
केतु	03/12/2027
शुक्र	14/03/2028
सूर्य	13/04/2028

शुक्र - मंगल	
13/04/2028	13/06/2029
मंगल	08/05/2028
राहु	11/07/2028
गुरु	06/09/2028
शनि	12/11/2028
बुध	12/01/2029
केतु	05/02/2029
शुक्र	17/04/2029
सूर्य	09/05/2029
चंद्र	13/06/2029

शुक्र - राहु	
13/06/2029	13/06/2032
राहु	25/11/2029
गुरु	20/04/2030
शनि	10/10/2030
बुध	14/03/2031
केतु	17/05/2031
शुक्र	16/11/2031
सूर्य	10/01/2032
चंद्र	10/04/2032
मंगल	13/06/2032

शुक्र - गुरु	
13/06/2032	12/02/2035
गुरु	21/10/2032
शनि	24/03/2033
बुध	09/08/2033
केतु	05/10/2033
शुक्र	16/03/2034
सूर्य	04/05/2034
चंद्र	24/07/2034
मंगल	19/09/2034
राहु	12/02/2035

शुक्र - शनि	
12/02/2035	14/04/2038
शनि	14/08/2035
बुध	25/01/2036
केतु	01/04/2036
शुक्र	11/10/2036
सूर्य	08/12/2036
चंद्र	14/03/2037
मंगल	21/05/2037
राहु	10/11/2037
गुरु	14/04/2038

शुक्र - बुध	
14/04/2038	11/02/2041
बुध	07/09/2038
केतु	07/11/2038
शुक्र	28/04/2039
सूर्य	19/06/2039
चंद्र	13/09/2039
मंगल	12/11/2039
राहु	16/04/2040
गुरु	01/09/2040
शनि	11/02/2041

शुक्र - केतु	
11/02/2041	14/04/2042
केतु	08/03/2041
शुक्र	18/05/2041
सूर्य	09/06/2041
चंद्र	14/07/2041
मंगल	08/08/2041
राहु	11/10/2041
गुरु	07/12/2041
शनि	12/02/2042
बुध	14/04/2042

सूर्य - सूर्य	
14/04/2042	01/08/2042
सूर्य	19/04/2042
चंद्र	28/04/2042
मंगल	05/05/2042
राहु	21/05/2042
गुरु	05/06/2042
शनि	22/06/2042
बुध	07/07/2042
केतु	14/07/2042
शुक्र	01/08/2042

सूर्य - चंद्र	
01/08/2042	31/01/2043
चंद्र	16/08/2042
मंगल	27/08/2042
राहु	23/09/2042
गुरु	18/10/2042
शनि	16/11/2042
बुध	12/12/2042
केतु	22/12/2042
शुक्र	22/01/2043
सूर्य	31/01/2043

सूर्य - मंगल	
31/01/2043	08/06/2043
मंगल	07/02/2043
राहु	26/02/2043
गुरु	15/03/2043
शनि	05/04/2043
बुध	23/04/2043
केतु	30/04/2043
शुक्र	22/05/2043
सूर्य	28/05/2043
चंद्र	08/06/2043

सूर्य - राहु	
08/06/2043	01/05/2044
राहु	27/07/2043
गुरु	09/09/2043
शनि	31/10/2043
बुध	16/12/2043
केतु	05/01/2044
शुक्र	28/02/2044
सूर्य	16/03/2044
चंद्र	12/04/2044
मंगल	01/05/2044

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - गुरु	
01/05/2044	
18/02/2045	
गुरु	09/06/2044
शनि	26/07/2044
बुध	05/09/2044
केतु	22/09/2044
शुक्र	10/11/2044
सूर्य	24/11/2044
चंद्र	19/12/2044
मंगल	05/01/2045
राहु	18/02/2045

सूर्य - शनि	
18/02/2045	
31/01/2046	
शनि	13/04/2045
बुध	02/06/2045
केतु	22/06/2045
शुक्र	19/08/2045
सूर्य	05/09/2045
चंद्र	04/10/2045
मंगल	24/10/2045
राहु	15/12/2045
गुरु	31/01/2046

सूर्य - बुध	
31/01/2046	
07/12/2046	
बुध	16/03/2046
केतु	03/04/2046
शुक्र	24/05/2046
सूर्य	09/06/2046
चंद्र	05/07/2046
मंगल	23/07/2046
राहु	07/09/2046
गुरु	19/10/2046
शनि	07/12/2046

सूर्य - केतु	
07/12/2046	
14/04/2047	
केतु	14/12/2046
शुक्र	05/01/2047
सूर्य	11/01/2047
चंद्र	22/01/2047
मंगल	29/01/2047
राहु	17/02/2047
गुरु	06/03/2047
शनि	27/03/2047
बुध	14/04/2047

सूर्य - शुक्र	
14/04/2047	
13/04/2048	
शुक्र	14/06/2047
सूर्य	02/07/2047
चंद्र	01/08/2047
मंगल	23/08/2047
राहु	16/10/2047
गुरु	04/12/2047
शनि	31/01/2048
बुध	23/03/2048
केतु	13/04/2048

चंद्र - चंद्र	
13/04/2048	
11/02/2049	
चंद्र	08/05/2048
मंगल	26/05/2048
राहु	11/07/2048
गुरु	20/08/2048
शनि	08/10/2048
बुध	20/11/2048
केतु	08/12/2048
शुक्र	27/01/2049
सूर्य	11/02/2049

चंद्र - मंगल	
11/02/2049	
13/09/2049	
मंगल	24/02/2049
राहु	28/03/2049
गुरु	25/04/2049
शनि	29/05/2049
बुध	28/06/2049
केतु	11/07/2049
शुक्र	15/08/2049
सूर्य	26/08/2049
चंद्र	13/09/2049

चंद्र - राहु	
13/09/2049	
14/03/2051	
राहु	04/12/2049
गुरु	15/02/2050
शनि	12/05/2050
बुध	29/07/2050
केतु	30/08/2050
शुक्र	29/11/2050
सूर्य	27/12/2050
चंद्र	10/02/2051
मंगल	14/03/2051

चंद्र - गुरु	
14/03/2051	
13/07/2052	
गुरु	18/05/2051
शनि	03/08/2051
बुध	11/10/2051
केतु	09/11/2051
शुक्र	29/01/2052
सूर्य	22/02/2052
चंद्र	03/04/2052
मंगल	01/05/2052
राहु	13/07/2052

चंद्र - शनि	
13/07/2052	
12/02/2054	
शनि	13/10/2052
बुध	03/01/2053
केतु	06/02/2053
शुक्र	13/05/2053
सूर्य	11/06/2053
चंद्र	29/07/2053
मंगल	01/09/2053
राहु	27/11/2053
गुरु	12/02/2054

चंद्र - बुध	
12/02/2054	
14/07/2055	
बुध	26/04/2054
केतु	26/05/2054
शुक्र	20/08/2054
सूर्य	15/09/2054
चंद्र	28/10/2054
मंगल	28/11/2054
राहु	13/02/2055
गुरु	23/04/2055
शनि	14/07/2055

चंद्र - केतु	
14/07/2055	
12/02/2056	
केतु	27/07/2055
शुक्र	31/08/2055
सूर्य	11/09/2055
चंद्र	28/09/2055
मंगल	11/10/2055
राहु	12/11/2055
गुरु	10/12/2055
शनि	13/01/2056
बुध	12/02/2056

चंद्र - शुक्र	
12/02/2056	
13/10/2057	
शुक्र	24/05/2056
सूर्य	23/06/2056
चंद्र	13/08/2056
मंगल	17/09/2056
राहु	18/12/2056
गुरु	09/03/2057
शनि	13/06/2057
बुध	07/09/2057
केतु	13/10/2057

चंद्र - सूर्य	
13/10/2057	
14/04/2058	
सूर्य	22/10/2057
चंद्र	06/11/2057
मंगल	17/11/2057
राहु	14/12/2057
गुरु	08/01/2058
शनि	06/02/2058
बुध	03/03/2058
केतु	14/03/2058
शुक्र	14/04/2058

मंगल - मंगल	
14/04/2058	
10/09/2058	
मंगल	22/04/2058
राहु	15/05/2058
गुरु	04/06/2058
शनि	27/06/2058
बुध	18/07/2058
केतु	27/07/2058
शुक्र	21/08/2058
सूर्य	28/08/2058
चंद्र	10/09/2058